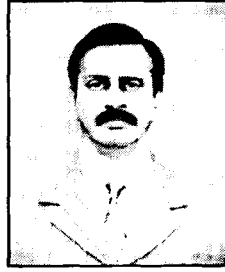


हिन्दुस्तान फ़ोटो फ़िल्म्स **HINDUSTAN PHOTO FILMS**



वार्षिक रिपोर्ट **ANNUAL REPORT** **2003-04**

अध्यक्ष का भाषण / CHAIRMAN'S SPEECH



एस.मुरलीधरन - निदेशक (वित्त) / कार्यकारी अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

S. Muralidharan - Director (Finance) / Actg. CMD

प्रिय शेयरधारी,

विभिन्न मुश्किलों और खतरों के बावजूद वर्तमान स्तरों पर प्रचालन करते हुए कंपनी ने एक और साल की पूर्ति की है। कंपनी को बंद करने की बी.आई.एफ.आर. के आदेशों की सिफारिश और जाइंट वेंचर (जे.वी) फार्मेशन के लिए गठित अंतर मंत्री मण्डलीय समूह आई.एम.जी की असफलता की घोषणा की दशा में अनिश्चितता अब भी कायम है। ए.ए.आई.एफ.आर की सुनवाई भी स्थगित होती जा रही है।

साल के दौरान, कंपनी ने जहाँ तक संभव हो, वहाँ तक लागत कमीकरण उपायों का अनुपालन जारी रखा है। परिणामस्वरूप, प्रचालकीय हानि को और कम किया गया है। कंपनी ने अपने उत्पादों के लिए, निर्यात बाज़ार पहचानने के लिए, एच.एम.टी (अंतर्राष्ट्रीय) के जे.इ.एम में भाग लिया है। इससे अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में अपने विक्रय का विस्तार करने में एक नया मार्ग बनाने की अपेक्षा है। अधिक देयताओं और मनुष्य शक्ति के परिणामस्वरूप, पिछले जे.वी अभ्यास असफल रहे। पर अब कंपनी ने काफी मनुष्य शक्ति कम करने का प्रमुख अभ्यास पूर्ण किया है। बहुमत बैंकर्स क्रमबद्ध रूप से प्रधान राशियों के भुगतान (ओ.टी.एस.) की शर्तों पर अर्जित ब्याज परित्याग करने की सहमति पहले ही दे चुके हैं। आगे, बैंकर्स व लेनदारों ने व्यक्त किया है कि यदि सरकार के पास ओ.टी.एस के लिए कम राशी में भुगतान या सरकारी बाण्ड / शेयर देने का कोई प्रस्ताव हो तो उस पर विचार किया जा सकता है। ओ.टी.एस के कार्यान्वयन पर तुलन पत्र सुधरा जाएगा और कंपनी जीने योग्य बन जाएगी।

जब आई.एम.जी. ने एच.पी.एफ. के भविष्य के निर्णय का मामला सरकार को संदर्भित किया, कंपनी ने मंत्रालय से जीने योग्य प्रचालनों को सिद्ध करने के लिए एक टेक्नो एकोनामिक फीसिबिलिटी अध्ययन (टी.ई.एफ.एस) आयोजित कराने की अनुमति पाई। ओ.टी.एस. और कतिपय सरकारी नीति की रियायते पाने पर एकीकृत विनिमार्ता पाधिकृत हो जाएँगे और कार्यबल की जीविका के साथ पिछड़े पहाड़ीय नीलगिरि जिले की जनता भी सुरक्षित हो जाएगी। इस परिस्थिति में, यह उल्लेख करना भी उचित होगा कि सन् 1960 में फोटो मालों में आत्म निर्भरता पाने के लिए भारत सरकार के सचेत निर्णय के परिणामस्वरूप ही हि.फो.फि का जन्म हुआ। हम आगे एच.पी.एफ के भविष्य और उसके पुनर्जीवन की ओर सरकार के समर्थन की अपेक्षा में हैं।

एस. मुरलीधरन
एस.मुरलीधरन

Dear Shareholders,

In spite of the various odds and threats faced by the Company, we have been able to complete another year, sustaining operations at the existing levels. With the BIFR recommending winding up orders and the Inter-Ministerial Group (IMG) formed for Joint Venture (JV) formation, declaring the JV exercise as a failure, uncertainty still prevails. The admission hearing of the AAIFR too is getting postponed every time.

During the year, the Company continued to follow cost reduction measures wherever possible. As a result, the operational loss has been brought down further. The Company has also joined the Joint Exports Management (JEM) introduced by HMT (International), for identifying export markets for its products. With this, the Company is expected to make a new headway in locating new foreign customers and is in the course of expanding its sales in the international market.

The earlier JV exercises could not be successful, mainly due to the huge liabilities and excess Manpower. However, now the Company has completed a major exercise in Manpower rationalisation. Also majority of the bankers have already conveyed their in-principle acceptance to waive the accrued interest subject to a One Time Settlement (OTS) of their principal amounts in a phased manner. Further, the Bankers / Creditors have also expressed that in the event of any proposal emanating from the Government towards offering Govt bonds / shares instead of down payment in the OTS, it could be considered on merits. Once the OTS is implemented, the balance sheet will be cleaned up and the Company will become a viable proposition.

Subsequent to the IMG referring the case of HPF to the Government for a decision on its future, the Company had approached the DHI and has been permitted to get a Techno Economic Feasibility Study (TEFS) conducted to establish viability of its operations.

With an OTS and certain Government policy initiatives, integrated manufacturing will be recognized and the livelihood of workforce as well as the people of the backward hilly district of Nilgiris will be protected. At this juncture, it may not be out of place to mention that HPF has come into existence as a result of the Govt. of India's conscious decision in the 1960s to be self-reliant in photo goods. We look ahead to the co-operation and future focus of the Government in supporting HPF towards the cause of its revival.

S. MURALIDHARAN



निदेशक (वित्त) /

कार्यकारी अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक

- श्री एस. मुरलीधरन

निदेशकगण

- श्री मुकुल कुमार
श्री एन.मुत्तुरामलिंगम
श्री वी.एच. रामकृष्णन
(नामिति निदेशक - यू.टी.आई.)

कंपनी सचिव

- कु. एम. गीता

लेखा परीक्षक

- मेसर्स रॉव एवं नाथन
सनदी लेखाकार

बैंकर्स

- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
इंडियन ओवरसीस बैंक
सिंडिकेट बैंक
स्टेट बैंक ऑफ पटियाला
स्टेट बैंक ऑफ द्रावनकुर
इंडियन बैंक
कैनरा बैंक

पंजीकृत कार्यालय

- इन्दु नगर
उटकमण्ड
तमिलनाडु - 643 005

हिन्दुस्तान फ़ोटो फ़िल्म्स मैनुफ़ेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

शेयरधारियों को नोटिस

टेलिग्राम : फ़ोटो फ़िल्म
 टेलिफ़ोन : 2444020-2444029
 फ़ेक्स : 2442556
 ईमेल : इन्दु @एचपीएफ-इण्डिया.कॉम
 वेब : डबल्यूडबल्यूडबल्यू.एचपीएफ-इण्डिया.कॉम

पंजीकृत कार्यालय
 इन्दु नगर, उटकमण्ड
 तमिलनाडु - 643 005

1 सितम्बर 2004

नोटिस

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि हिन्दुस्तान फ़ोटो फ़िल्म्स मैनुफ़ेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के शेयरधारियों की त्रयालीसवीं सामान्य वार्षिक बैठक, पंजीकृत कार्यालय, इन्दु नगर, उटकमण्ड - 643 005 में गुरुवार, 30 सितम्बर 2004 को 11.00 बजे निम्नलिखित कारोबार के संचालन के लिए होगी:

सामान्य कारोबार

- 1 31 मार्च 2004 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट और कंपनी के लेखा पर विचार विमर्श करना तथा उनका अंगीकार करना।
- 2 लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक का निर्धारण करना।

(आदेशानुसार)

(एम.गीता)
 कंपनी सचिव

सेवा में : सभी सदस्य
 प्रतिलिपि: मेसर्स रॉव एवं नाथन,
 श्री निलैयम, 176, रेस ब्यू रोड
 उटकमण्ड - 643 001

नोट : बैठक में भाग लेने और मत देने के लिए योग्य शेयरधारी अपने स्थान पर किसी और व्यक्ति को बैठक में भाग लेने और मत देने के लिए नियुक्त कर सकता है। उस व्यक्ति (प्रॉक्सी) का सदस्य होना ज़रूरी नहीं है।



निदेशकों के प्रतिवेदन

प्रिय शेयरधारी,

31 मार्च 2004 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा सहित कंपनी के कार्यशील पर त्रयालीसवीं वार्षिक रिपोर्ट सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और उस पर भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक द्वारा की गयी टीका टिप्पणियों और लेखों की समीक्षा को सहर्ष आपके निदेशकगण प्रस्तुत कर रहे हैं।

निगमित निष्पादन

2003-04 के लिए नकदी प्रवाह विवरण के साथ पिछले दस वर्षों के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय आंकड़े नीचे संक्षेप में दिये गए हैं।

शेयर पूंजी

31.03.04 के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत और चुकता पूंजी क्रमशः 200 करोड़ रुपये और 199.87 (199.12) करोड़ रुपये थे।

आवधिक जमा

रिपोर्ट के अधीन इस वर्ष के दौरान कंपनी ने कोई जमा प्राप्त नहीं किया।

निगमित परिणाम

उत्पादन

इस साल के दौरान उत्पादन 1.709 मि वर्ग मी था, इसका मूल्य 2746.65 लाख रु.था, जबकि, विगत वर्ष का उत्पादन 2667.32

लाख रुपयों के मूल्य पर 1.459 मि वर्ग मी रहा। उत्पादन के मदवार निम्न प्रकार है।

मि वर्ग मी में

	2003-04	2002-03
सिनि उत्पाद	0.052	0.047
एक्स रे (औद्योगिक एक्स रे सहित)	1.030	*0.812
ग्राफिक आर्ट्स	*0.560	*0.408
पेपर उत्पाद	*0.054	*0.078
अन्य (विविध)	0.014	0.114
	1.709	1.459
* का कायदिश उत्पादन सम्मिलित है	(0.407)	(0.356)

रिपोर्ट के अधीन वर्ष के दौरान कम उत्पादन के कारण थे - कार्यशील पूंजी निधियों और आर्डरो की कमी और ब.रा.कं.से स्वदेशी बाजार में कठोर प्रतियोगिता। पता चला है कि, प्रतियोगी साल के दौरान डिजिटल तकनीकी की ओर बदले हैं एवं उन्होंने उपस्थित फिल्म आधारित तकनीकी को छोड़ने का फैसला किया है और भारतीय बाजार में डम्प करके सस्ते दाम पर उपलब्ध उत्पादों को बेचने का प्रयत्न कर रहे हैं। कंपनी ने कुल उत्पादन के 23.82% तक कायदिश व्यवहार द्वारा अपनी क्षमता का उपयोग किया। संयंत्र के लगातार प्रचालन और उत्पादन की वृद्धि के लिए सरकार के समर्थन की प्रतीक्षा है। अपने कार्यकलापों को डिजिटल प्रौद्योगिकी में बदलीकरण के द्वारा कंपनी अन्य क्षेत्रों का अन्वेषण कर रही है।

पिछले दस वर्षों के लिए वित्तीय आंकड़े

31 मार्च को समाप्त वर्ष

रु लाखों में

	1995	1996	1997	1998	1999	2000	2001	2002	2003	2004
उत्पादन	5202.73	3530.80	1458.49	4093.22	3155.61	2710.09	2367.19	2978.36	2667.32	2746.65
विक्रय	5425.79	4107.94	2104.88	3451.40	3427.26	2820.00	2541.95	2895.03	2697.80	2778.39
निवल लाभ / हानि	-5685.64	-7087.73	-9561.17	-17628.57	-30982.62	-27844.95	-32815.97	-35371.86	-38539.24	-44302.47
वृद्धि दर (%)										
- कुल बिक्री	-41.34	-24.29	-48.76	63.97	-0.70	-21.53	-10.93	13.89	-6.81	2.99
- उत्पादन	-25.28	-32.14	-58.69	180.65	-22.91	-16.44	-14.48	25.82	-10.44	2.97
निवल लाभ (% के रूप में)										
- कुल बिक्री	-104.79	-172.54	-454.24	-510.77	-904.01	-987.41	-1290.98	-1221.81	-1428.54	-1594.54
- लगी पूंजी*	-93.84	-116.77	-176.71	-26.56	-50.14	-49.63	-62.08	-69.91	-79.77	-101.67
निवल मूल्य	-4302.22	-9575.03	-18707.08	-36254.13	-66530.33	-93872.72	-1261504.84	-161088.24	-199518.26	-243506.90
अंतर निगमित ऋण	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00	3607.00
सकल ब्लॉक (डबल्यू आई पी पूंजी सहित)	5339.74	5349.04	5349.39	69531.30	71201.70	71293.67	71363.34	71504.98	71506.72	72062.52
सकल ब्लॉक (डबल्यू आई पी पूंजी वर्जित)	55139.07	63717.02	73381.16	71495.56	71439.47	71500.80	71505.68	71513.18	71514.92	72062.52
माल सूचियाँ	3319.41	2555.60	1741.33	3184.09	2217.15	1778.49	1627.10	1683.23	1526.90	1415.02
मूल्य ह्रास	204.59	201.44	198.12	3215.80	3290.45	3297.46	3285.35	3289.70	3288.33	3386.32
ब्याज										
-पी व एल लेखों को प्रभावित	4227.69	5504.21	6639.40	15701.91	19225.80	21678.40	25223.16	29024.34	33649.46	38835.01
-पंजीकृत	5471.15	6878.07	8283.46	--	--	--	--	--	--	--

* लगी पूंजी निवल स्थाई संपत्तियों (निर्माणाधीन परियोजना वर्जित तथा निवल चालू संपत्तियाँ) को वर्णित करती है।

जहाँ भी आवश्यक हो, पिछले साल के आँकड़ों को पुनः वर्गीकृत किया गया है।

हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

पूर्ण बिक्री व हानि

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी ने 2778.39 लाख रुपये की पूर्ण बिक्री प्राप्त की, बनाम पिछले साल में यह राशि 2697.80 लाख रुपये थी। पिछले वर्ष की 38539.24 लाख रुपयों की निवल हानि की तुलना में इस वर्ष कंपनी के प्रचालनों के परिणामस्वरूप 44302.47 लाख रुपयों की निवल हानि हुई है। इस साल के दौरान प्रचालकीय हानि 1316.40 लाख रु के बनाम गत साल के दौरान 1469.54 लाख रु थे। कम क्षमता उपयोगीकरण और ब्याज की मात्रा के सिवाय प्रचलित मार्केट स्थिति, कंपनी की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव डालने वाले प्रमुख कारण हैं। कंपनी ने अपने प्रचालनों को सुधारने के लिए विभिन्न उपायों को अपनाया और प्रशासनिक व्ययों को घटाने की कोशिश की। अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए तथा प्रचालकीय हानि कम करने के लिए आनेवाले साल में इन प्रक्रियाओं का अनुसरण किया जाएगा। कंपनी ने क्रय अधिमान नीति की समीक्षा करने के लिए सरकार से अनुरोध किया है।

निर्यात

कंपनी ने आलोच्याधीन वर्ष के दौरान उत्पादों के निर्यात दारा 22.74 लाख रुपयों की समकक्ष विदेशी मुद्रा प्राप्त की है, जबकि पिछले वर्ष में यह 58.86 लाख रुपये थी। कंपनी निम्नतम निर्यात मूल्यों के कारण अपने निर्यात की वृद्धि न कर सकी। परंतु निर्यात हाऊसों के द्वारा लगातार निर्यात निष्पादन सुधार करने का प्रयत्न हो रहा है।

साल के दौरान, एच.एम.टी. अंतर्राष्ट्रीय ने मंत्रालय के कहने पर, कंपनी के उत्पादों को निर्यात कराने की सहायता का प्रस्ताव दिया। एच.एम.टी. से लागू किये जे ई एम (संयुक्त निर्यात प्रबंध मण्डल) के द्वारा हमारे उत्पादों के बहु खरीदारियों के पहचान का कार्य प्रगति में है। इसके द्वारा कंपनी नए विदेशी ग्राहकों को जानने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपने विक्रय का विस्तार करने की अपेक्षा रखती है। आज की तारीख में लगभग 40 करोड़ रुपयों का निर्यात पूछताछ हाथ पर है। लेकिन यदि कंपनी, निर्यात आदेशों को प्राप्त भी करती है, तब भी उसका निर्वाह करना उपलब्ध कार्यशील पूंजी पर निर्भर होगा।

कंपनी ने अपने उत्पादों की वृद्धि करने के लिए फोटोग्राफिक ट्रेड फेर और प्रदर्शिनियों में भी भाग लिया है।

पॉलिएस्टर बेस चिकित्सा एक्स रे और ग्राफिक आर्ट्स फिल्मस संयंत्र

इस संयंत्र ने पिछले साल के दौरान 1.220 मिल्लियन वर्ग.मी. के विरुद्ध रिपोर्ट के अधीन वर्ष के दौरान 1.590 मिल्लियन वर्ग मी फिल्मों का उत्पादन किया है। आगे आनेवाले साल में संयंत्र के और सुधरने की अपेक्षा है।

अनुसंधान एवं विकास

विनिर्दिष्ट क्षेत्रों जिसमें कंपनी ने अनु एवं विकास कार्यान्वित किये। अनु एवं विकास के कार्यकलाप नये उत्पादों के विकास, उत्पाद प्रक्रिया की अभिवृद्धि, प्रौद्योगिकी के उन्नयन, आयात स्थानापन्नता और लागत पर कमी की ओर थे।

उपर्युक्त अनु एवं विका के परिणामस्वरूप उत्पन्न सुविधाएँ

- कंपनी की अपेक्षित संबंधित 12 रसायन आर्गनिक सितसिस इकाई द्वारा विनिर्माणित किए गए।
- अनु एवं विकास केन्द्र में विकसित जानकारी के साथ निम्नलिखित डिजिटल उत्पादों का वाणिज्यिक किया गया।
 - निम्न कोटिंग वज़न के औद्योगिक एक्स-रे जिसके परिणामस्वरूप लगातार में कमीकरण होगी
 - चिकित्सा एक्स-रे आर्थो के आधिक उत्पादन से बाजार में लगातार आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

- निम्नलिखित उत्पादों के संबंध में, संयंत्र परीक्षण जारी है। इनहाऊस अनु एवं विका, से विकसित जानकारी से वे शीघ्र ही वाणिज्यिक किये जाएँगे।

- पॉलियस्टर सब्स बेस
- वॉटर रेसिस्टेंट इंकजेट पेपर

- उत्पाद बदलीकरण

- सामग्रियों के आयात प्रतिस्थापन में फ़ाइन रसायन के इन्हाऊस विनिर्माण की मदद से लगभग 53 लाख रु की लागत में बचत हुई है।

भविष्य कार्रवाई की योजना

निम्नलिखित उत्पादों के लिए विकास / अभिवृद्धि जानकारी, भविष्य अनु एवं विका के कार्यक्रम में सम्मिलित हैं:

क) निम्नलिखित उत्पादों के गुण में समुन्नति

- i) चिकित्सा एक्स रे
- ii) चिकित्सा एक्स रे (आर्थो)
- iii) चिकित्सा इमेजिंग फिल्म (रेड सेंसिटिव)

ख) चिकित्सा इमेजिंग फिल्म (इंफ्रा रेड)

ग) थर्मल पेपर फिल्म

घ) प्रिंटिंग उद्योग के लिए पॉलिएस्टर फिल्म

ड) एक्स-रे इंटेंसिफाइंग स्क्रीन्स

च) फ़ाइन रसायनों का स्वदेशीकरण और तैयारी



अनु एवं विकास पर व्यय

क. पूंजी	-	शून्य
ख. आवर्ती	-	85.65 लाख रु
ग. कुल	-	85.65 लाख रु
घ. कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में कुल अनु एवं विकास का व्यय	-	3.08%

औद्योगिकी अवशोषण, रुपांतरण और नवीन प्रवर्तन

- चिकित्सा एक्स-रे (आर्थो) का आधिक और लगातार उत्पादन के लिए औद्योगिकी स्थानांतरण
- औद्योगिकी रुपांतरण के परिणाम थे औद्योगिक एक्स-रे (निम्न वजन कोटिंग) का औद्योगिक स्थानांतरण

आयातित प्रौद्योगिकी के संबंध में सूचना

- सहयोग करार यदि कोई
- आयातित प्रौद्योगिकी
- आयात का साल
- क्या प्रौद्योगिकी का पूरी तरह अवशोषण किया गया
- अवशोषण नहीं किया तो जिन क्षेत्रों में उपलब्ध नहीं किया गया इसका कारण

शून्य

गुण आश्वासन

एच पी एफ एक आई एस ओ 9001:2000 कंपनी है और उसने अपने उत्पादों के गुणवत्ता स्तर के अनुरक्षण के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।

गुणवत्ता आश्वासन विभाग, उत्पादन के प्रयोग में, उपयुक्त होने वाले सभी रसायन, कच्ची सामग्रियों और पैकेजिंग सामग्रियों की जाँच करता है। साल के दौरान नए स्त्रोतों की कच्ची सामग्रियों का परीक्षण और विकास किया गया है। रसायनो व पैकेजिंग सामग्रियों की आपूर्तिकर्ताओं के निष्पादन का अध्ययन करके, आनधिक वेंडर अनुपात विश्लेषण किया जाता है। गु.आ. ने पूर्ण गुणवत्ता लक्ष्य को प्राप्त करने में, शोधक और प्रतिबंधक कार्यवाई में, उत्पादन को मार्गदर्शन दिया है और नए वेंडर के द्वारा चिकित्सा एक्स-रे इकाई कार्टन के विकास में तकनीकी समर्थन दिया है जिसके परिणामस्वरूप लागत की बचत हुई है। लागत प्रभावित पीले इन्टरलीविंग पेपर को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

गु.आ. पहले ग्राहक की तरह सभी पूर्ण तैयार मालों की जाँच करता है कि कोई दोषपूर्ण सामग्री, ग्राहक को भेजी न जाए। गु.आ. ने ग्राहकों के प्रयोग के मुद्दे पर ध्यान देने का निवेदन किया है। बाजार में, हमारी सामग्रियों के निष्पादन को ध्यान में रखने के लिए और

“विक्रय के बाद सेवा” को प्रभावी रूप से अध्ययन करने के लिए, शिकायतों के विवरण का विश्लेषण नियमित आधार पर किया जाता है। विनिर्मित विभाग ऐसी शिकायतों के कारणों को, उचित ध्यान के साथ प्रोत्साहन देता है।

सन् 2001-2002 से शिकायतों के सभी समय निम्न स्तर का अनुरक्षण किया जा रहा है जो कुल विक्रय का 0.07% ही है। 6 सिग्मा 3.4 पीपीएम लक्ष्य के बानाम, 2003-2004 के दौरान 6 सिग्मा गुणवत्ता निष्पादन चिन्ह इन्डेक्स 4.69 सिग्मा है।

ऊर्जा संरक्षण

विद्युत ऊर्जा संरक्षण

बिजली केपॉसिटर के प्रयोग द्वारा 0.9 से ऊपर विद्युत प्रणाली में, बिजली फैक्टर संभाले जाते हैं। ऊर्जा कार्यकुशल काप्पर चोक्स अधिष्ठापित व अनुरक्षित किए हैं। हीटर लाईटिंग लोड्स नियमित किये गए हैं। बिजली ट्रान्सफार्मर्स का उचित स्तर सहित स्थिर पर प्रयोग किया जाता है। मोटर्स और अन्य उपकरणों की कुशलता की अभिवृद्धि के लिए निवारक रखरखाव सूची का सख्त अनुपालन किया जाता है। स्वचालित नियंत्रण सर्क्युट की मदद से शीत संचय कम्प्रसर प्रभावी रूप से प्रचालित किया है।

उत्पादन सूची के उचित मॉनीटरिंग से ब्लोवर्स / मशीन अपेक्षित समय के लिए चलाए जाते हैं। एक स्वचालित नियंत्रण सर्क्युट कम्प्रसर भी परिचालित किया गया। संयंत्र के प्रचालन से अधिकतम मॉग के घटाए स्तर पर स्थिर किया हुआ है। स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा दीप का, टाइमर सर्क्युट की सहायता से प्रभावी रूप से प्रयोग किया जाता है। प्रोसेस सामग्री के बचाव के लिए, प्रधान संयंत्र में, निम्न क्षमता कम्प्रसर को सेवा में उपयोग किया गया है। उक्त विद्युत संरक्षण उपायों से कंपनी 22 लाख रु की बचत कर पाई है।

थर्मल ऊर्जा संरक्षण

अधिक वायु के घटाए गए स्तर पर बॉयलर्स व गरम पानी जेनरेटर्स में नियंत्रण का अनुरक्षण किया गया। अधिक वायु के घटाए गए स्तर पर गरम पानी जेनरेटर्स में दाह नियंत्रण का अनुरक्षण किया था। फीड पानी व ब्लोडाउन पानी को मॉनीटर करने के द्वारा ब्लोडाउन स्तर कम किया गया। डगमागते हुए उत्पादन सूची से बॉयलर्स और गरम पानी उत्पादन का प्रचालन कम किया गया। निवारक रखरखाव का सख्त अनुपालन किया गया था। उक्त थर्मल ऊर्जा संरक्षण उपायों के परिणामस्वरूप कंपनी 5.00 लाख रु की बचत कर पायी।

योजनाएँ

उत्पाद को कम किये स्तर के कारण प्रभावी ऊर्जा बचत के लिए डीसेन्ट्रलाइज्ड रेफ्रिजिरेशन कम्प्रसर का उपयोग करने का प्रस्ताव है।

हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

कार्मिक

31 मार्च 2004 को कंपनी में कुल स्थायी कर्मचारियों की संख्या 1094 (1233) थी। कुल कर्मचारियों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजातियों की संख्या इस प्रकार थी:

अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व	- 179 (16.36%)
अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व	- 56 (5.12%)

31 मार्च 2004 को कार्यरत भूतपूर्व सैनिकों की कुल संख्या 46 थी जो कुल कर्मचारियों की संख्या के 4.20 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। कंपनी में 31 मार्च 2004 को विकलांग कर्मचारियों की कुल संख्या 36 थी, जिसमें 6 नेत्रहीन थे, 19 शारीरिक रूप से अक्षम थे तथा 11 मूक तथा बधिर थे।

साल के दौरान कंपनी ने स्वै.से.नि. के द्वारा मनुष्य शक्ति घटाने पर महत्व दिया। आलोच्याधीन वर्ष के दौरान, स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के अधीन 130 कर्मचारी निर्मुक्त किये गये। मनुष्य शक्ति घटाने पर एक धक्का देने पर भी, सभी स्तरों की कार्यकुशलता को सुनिश्चित करने पर महत्व दिया गया है।

कंपनी ने अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति समुदाय के आरक्षण नीति के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये गये अनुदेशों का लगातार पालन किया है।

प्रशिक्षण एवं विकास

कंपनी में एक पूर्ण रूप से संपन्न प्रशिक्षण व विकास विभाग है जो कर्मचारियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को पूरा करता है। आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

औद्योगिक संपर्क

औद्योगिक संपर्क बहुत सौहार्दपूर्ण रहे। प्रबंध मण्डल और ट्रेड संघों के सदस्यों के साथ औद्योगिक संपर्क समिति समय-समय पर विभिन्न औद्योगिक समस्याओं को निपटाने के लिए मिलि और बातचीत की।

पर्यावरण

कंपनी ने परिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए अनेक वृक्षारोपण कार्यक्रमों को जारी रखा है। सांविधिक नियमों और विनियमों के अनुसार बहिस्त्रान उपचार तथा निपटान प्रणालियाँ तुल्य समस्विति की गई हैं। रिपोर्ट के अधीन इस साल के दौरान इस संबंध में कंपनी द्वारा 10.04 लाख रुपयों की राशि व्यय की गई है।

बीमा

कंपनी की परिसंपत्तियाँ बीमाकृत की गई हैं।

राजभाषा का कार्यान्वयन

कंपनी ने राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन और इस संबंध में समय समय पर केन्द्रीय सरकार से प्राप्त अनुदेशों के अनुपालन के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए हैं।

सहायक उद्योगों का विकास

आलोच्याधीन वर्ष के दौरान कंपनी ने उत्पादन के लिए अपनी आवश्यकताओं के लिए अनुषंगिक और एस.एस.आई इकाइयों से 61.14 लाख रुपयों की खरीददारी की।

राजकोष को अंशदान

समीक्षाधीन वर्ष में कंपनी ने केन्द्र और राज्य सरकारों को बिक्री कर, चुंगी, सीमाशुल्क, आदि के रूप में 498.45 लाख रुपयों का भुगतान किया।

सतर्कता कार्यकलाप

कंपनी में सतर्कता अभिज्ञाता सप्ताह के द्वारा संगठन के अंदर लगातार सख्त सतर्क रखा जाता है। सतर्कता विभाग विभिन्न स्त्रातो से प्राप्त शिकायतों की जाँच, आकस्मिक निरीक्षणों के आयोजन और जहाँ तक आवश्यक हो, सरलता से अधिनियम एवं कार्यविधियों का अध्ययन करने का कार्य में लगे हुए हैं।

कर्मचारियों के व्योरे

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 217, उप धारा 2 (ए) के साथ पढ़े गए, (कर्मचारियों का व्योरे) नियम 1975 के अनुसार 31 मार्च 2004 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट का भाग बननेवाली सूचना: शून्य

निदेशकगण

साल के दौरान निदेशक मंडल में कोई परिवर्तन नहीं हुआ।

लेखा परीक्षा समिति

लेखा परीक्षा समिति में निम्नलिखित सदस्य थे:

श्री मुकुल कुमार	-अध्यक्ष	गैर-कार्यपालक
श्री एन.मुत्तुरामलिंगम	-सदस्य	
श्री वी.एच. रामकृष्णन	-सदस्य	

निदेशकगण की जिम्मेदारी विवरण

कंपनी संशोधन अधिनियम 2000 की धारा 217(2) (एए) की अपेक्षाओं के अनुसार आपके निदेशकगण घोषणा करते हैं कि:

- वार्षिक लेखों की तैयारी में बही लेखों के संबंध में उचित स्पष्टीकरण के साथ प्रयोज्य लेखा स्तरों का पालन किया गया है।



2. निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियाँ चुनकर स्थिरता से लागू की हैं कि 31 मार्च 2004 के अंत में कंपनी की सत्य और उचित परिस्थिति का दृश्य देते हैं और उस के कंपनी के लाभ या हानि के निर्णय और प्राकलन बनाये हैं।
3. निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए, कपट व अन्य नियमितताओं के निवारण और अन्वेषण के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित ध्यान दिया है।
4. निदेशकों ने अनन्त काल के आधार पर वार्षिक लेखों की तैयारी की है।

लेखा परीक्षकगण

मेसर्स राव व नाथन, सनदी लेखाकार, ऊटी वित्तीय वर्ष 2003-2004 के लिए कंपनी के लेखा परीक्षकों के रूप में भारत सरकार द्वारा नियुक्त किये गये हैं।

निगमित शासन

स्टॉक विनियम के लिस्टिंग करार खंड 49 की अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ निम्नलिखित रिपोर्ट, अनबंधित किये जाते हैं।

- प्रबंध मण्डल के विचार - विमर्श व विश्लेषण रिपोर्ट।
- निगमित शासन पर रिपोर्ट
- निगमित शासन पर लेखा-परीक्षकों का प्रमाण-पत्र

बी.आई.एफ.आर. के सामने कंपनी की दशा / पुनर्जीवन
जनवरी 2003 में बी.आई.एफ.आर. के कंपनी को बंद करने की सिफारिश के खिलाफ कंपनी ने प्रशासनिक मंत्रालय के साथ मिलकर अपील-प्रधिकारी अर्थात् ए.ए.आई.एफ.आर. को अपील की है। इसकी सुनवाई 5 नवम्बर 2004 को स्थगित कर दी गई है।

एच.पी.एफ. के लिए जाइंट वेंचर बनाने के लिए जिस अंतर मंत्री समूह का गठन किया गया था, उसने अक्टूबर 2003 के दौरान अपनी असमर्थता व्यक्त की तथा एच.पी.एफ. के भविष्य का निर्णय सरकार को सौंपने का फैसला किया।

इस बीच भारी उद्योग मंत्रालय ने कंपनी के प्रचालनों की साध्यता पर एक टेक्नो एकोनोमिक फीसिबिलिटी स्टडी (टी.इ.एफ.एस.) आयोजित करने की अनुमति दी। यह अध्ययन मेसर्स फर्गुसन एण्ड कं द्वारा की जा रही है। उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने पर सरकार कंपनी के भविष्य पर फैसला ले सकेगी।

आभारोक्ति

आपके निदेशकगण भारत सरकार के विभिन्न विभागों विशेषकर भारी उद्योग विभाग, बैंकर्स, इसके सहयोगियों तथा महत्वपूर्ण ग्राहकों से प्राप्त सहयोग और समर्थन को कृतज्ञतापूर्वक याद करना चाहते हैं। आपकी कंपनी, कंपनी के बहुमूल्य कर्मचारियों की कृतज्ञतापूर्वक प्रशंसा करती है। पुनर्जीवन के लिए उनके प्रयत्न व समर्थन प्रशंसनीय रहे।

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

(एस.मुरलीधरन)

निदेशक (वित्त) / कार्यकारी अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैनुफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

प्रबंध मण्डल के विचार-विमर्श और विश्लेषण रिपोर्ट

उद्योग बनावट और विकास

दुनिया में फोटोग्राफिक विनिर्माण प्रौद्योगिकी कुछ ब.रा.क. की मुट्ठी में गुप्त है, और भारत में हि.फो.फि एक मात्र एकीकृत विनिर्माण है जो इमल्शन की तैयारी, कोटिंग व कन्वर्शन के उत्पादों में, लगे हुए हैं। भारत के फोटोग्राफिक उत्पादों का बाज़ार संयुक्त वृद्धि दर का (10% प्रति वर्ष) के साथ लगभग 1650 करोड़ रुपये तक है, जिसमें सिर्फ रंगीन उत्पाद 1300 करोड़ रुपये हैं, चिकित्सा इमेजिंग फिल्म 225 करोड़ रुपये हैं, ग्राफिक आर्ट्स फिल्म 60 करोड़ रुपये हैं, औद्योगिक एक्स-रे फिल्म 28 करोड़ रुपये हैं तथा काले व सफ़ेद फिल्म और कागज 37 करोड़ रुपये हैं।

अन्य विनिर्माता कोडक, कोनिका, फ़्यूजी और आगफ़ा आदि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आनुषंगिक या एजेंट्स ही हैं जो इन उत्पादों के आयातित कोट किये वाइड स्टॉक के कन्वर्शन के कार्य में लगे हुए हैं (कम स्तर की प्रौद्योगिकी)। केमरा विक्रयों में वृद्धि के अनुरूप, फोटोग्राफिक उत्पादों की वृद्धि होती है। अभी लगभग 90 % घरेलू बाज़ार के माँग की पूर्ति आयातों के ज़रिए होती है।

भारत में, डिजिटल मीडिया के उत्पादों का परिचालन हो रहा है जो वर्तमान उत्पादों का पुनः स्थापन करेंगे। पर इनसे निकट भविष्य में सिल्वर हेलोइड प्रौद्योगिकी को खतरा नहीं है, क्योंकि यह वर्तमान उत्पादों के सार है। साल के दौरान पता चला है कि ब.रा.क डिजिटल तकनीकी ओर बदले हैं।

उत्पादवार निष्पादन - 2003-04

मात्रा लाख वर्ग.मि.

मूल्य (रू लाखों में)

उत्पाद	उत्पादन		विक्रय	
	मात्रा	मूल्य*	मात्रा	मूल्य
चिकित्सा एक्स-रे समूह	9.77	1839.95	9.64	1796.59@
ग्राफिक आर्ट्स	2.00	300.79	2.41	339.35@
औद्योगिक एक्स-रे	0.53	368.72	0.45	244.51
सिनि फिल्म सहित कॉ व फिल्म	0.60	195.07	0.69	215.01
कॉला व श्वेत पेपर	0.06	7.31	0.06	4.61
प्रॉससिंग रसायन (टनें)	132.184	139.89	124.020	112.04
अन्य	0.06	10.96	0.12	28.37
हाइ-सी विक्रय (पॉलि बेस वर्ग.मी.)			1.21	37.91
कुल				
लाख वर्ग.मी.	13.02	2862.69	14.57	2778.39
टनें	132.184		124.02	

* उत्पादन का विक्रय मूल्य @ खरीदे गए मद सहित